LL.B VI Sem
Legal language.
By Dr Nishat Khan
24/04/2020

A verbis lagis non est recendendum.
विधि के शब्द से विचलन नहीं होगा।

Absolute sententia expositore non indiget.
स्पष्ट भाषा के लिए निर्वचन की आवश्यकता नहीं होती।

Abundans cautela non nocet.
अधिक सावधानी हानिकर नहीं।

Accessorium non ducit, sed sequitor suum principale.
समनुषंगी अधिकार मुख्य अधिकार का पूर्वगामी नहीं बल्कि अनुगामी होता है।

Accessorius sequitur naturam sui principalis.
समनुषंगी अधिकार की प्रकृति मुख्य अधिकार के अनुरूप होती है।

Accusator post rationabile tempus non est qudiendus nisi se bene de omissione excusaverti.
अभियोक्ता को युक्तियुक्त अवधि के पश्चात् तभी सुना जायेगा जब वह विलम्ब के लिए समाधानप्रद कारण बता दे।

Actio non datur non damnificato.
जिसे क्षति कारित नहीं हुई, उसे वाद का अधिकार नहीं, या
क्षतिग्रस्त ही कार्यवाही करेगा।

Actio qualibet in sua via.
प्रत्येक कार्यवाही अपने विहित पथ का अनुसरण करती है।

Actori incumbit onus probandi.
सबूत का भार वादी या अभियोक्ता पर होता है।

Actus curial nemine facit injuriam.
न्यायालय का कार्य किसी को हानि नहीं पहुँचाता।

Actus dei neminem gravabit.
दैवी कार्य का उत्तरदायित्व किसी व्यक्ति पर नहीं डाला जाता।
अर्थात्
दैवी कृत्य के कारण हुई क्षति के लिए किसी व्यक्ति को जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता।

Actus legis nemini est damnosus.
विधिक कार्य से किसी को हानि नहीं होती।

Ad ea quae frequentius accidunt jura a daptantur.
विधि उन्हीं मामलों के लिए होती है जो बार-बार उठते हैं।

Adversus extraneous vitiosa possessio prodossi solet.
प्रतिकूल हक उन सब व्यक्तियों के खिलाफ है जो उससे बेहतर हक नहीं दिखा सकते।

Aedificare in tuo proprio sole non licet quod alteri nou neceat.
अपनी भूमि पर भी ऐसा निर्माण उचित नहीं है जो किसी के लिए क्षतिकारक हो।

Aequior est dispositio legis quam ho minis.
विधि का निपटारा मनुष्य के निपटारे की अपेक्षा अधिक न्यायसंगत और पक्षपात रहित होता है।

Aequitas agit in personam.
साम्या व्यक्ति में निवास करती है।

Aequitas casibus medetur.
साम्या दुर्घटनाओं के विरुद्ध अनुतोष प्रदान करती है।

Aequitas erroribus medetur.
साम्या भूल को सुधारती है।

Aequitas est quasi acqualitas.
समता ही साम्या है।

Aequitas jurisdictiones non confundit.
साम्या क्षेत्राधिकार को भ्रान्त नहीं करती।

Aequitas naturam rei non mutat.
साम्या वस्तु की प्रकृति को नहीं बदलती।

Aequitas non quam contravenit legis.
साम्या विधि का प्रतिविधान नहीं करती या विधि के प्रतिकूल कदापि नहीं होती।

Acquitas supervacuaodit legum.
साम्या विधि का अनुसरण करती है।

Aequitas et bonum est lex legum.
जो न्यायोचित और हितकर है, वहीं विधियों की विधि है।

Affirmanti non neganti incumbit probatio.
सबूत का भार प्रतिज्ञान करने वाले पर, न कि प्रत्याख्यान करने वाले पर होता है।

Agentes et consentientes paripoena plectentur.
कार्य करने वाला और सहमत होने वाला दोनों समान रूप से दण्ड के अधिकारी होते हैं।

Aliquis non debet esse judex in propria causa.
कोई भी व्यक्ति अपने ही विषय में न्यायकर्ता नहीं हो सकता।

Allegans contraria non est audiendus.
जो परस्पर विरोधी बातों का अभिकथन करता है, उसकी सुनवायी नहीं होगी।

Allegatio contra factum non est admittenda.
विलेख के विरुद्ध अभिकथन ग्राह्य नहीं है।

Ambigua responsio contra properentem est accipienda.
संदिग्ध उत्तर का उपयोग उत्तरदाता के विरुद्ध किया जायेगा।

Ambiguitas verborum latens verificatione suppletur, nam quod ex facto oritur ambiguum verificatione facti tollitur.
अप्रत्यक्ष संदिग्धार्थता मौखिक साक्ष्य से दूर की जा सकती है क्योंकि संदिग्धार्थता बाह्य तथ्य से उद्भूत होती है वह ऐसे तथ्य का सबूत देने पर दूर की जा सकती है।

Ambiguitas verborum patens nulla verificatione excluditur.
प्रत्यक्ष संदिग्धार्थता का निराकरण बाह्य साक्ष्य द्वारा नहीं किया जा सकता।

Animus homini est anima scripti.
आशय ही लिखत (instrument) का प्रमाण है।

Applicatio est vita regulae.
प्रयोग से नियम सिद्ध होता है।

Argumentum a simili valet in lege.
सदृश मामले में दिया गया तर्क विधि में मान्य है।

Argumentum ab inconvenienti plurimum valet.
असुविधा का तर्क विधि में मान्य है।

Assignatus utitur Jure auctoris.
समनुदेशिती समनुदेशक का ही स्थान लेता है।

Augusta legibus soluta non est.
राजरानी भी विधि के अधीन होती है।

Bonae fidei possessor in id tartum quad ad se pervenerit tenetur.
सद्भावपूर्ण कब्जाधारी उसी के लिए दायी है जो वह प्राप्त करे।

Bonae fidei possessor facit fructus consumptos suos.
धारक सद्भाव से उपयुक्त फलों को अपना बना लेता है।

Bonae fidei non patitur ut bis idem exigatur.
एक ही सद्भाव वस्तु की दो बार न्यायालयीय कार्यवाही नहीं करने देता।

Bonae fidei exigit ut quod convenit fiat.
सद्भाव प्रेरित करता है कि संविदा पूरी की जाए।

Boni judicis est judicium sine dilatione mandare excutioni.
अच्छे न्यायाधीश का कर्तव्य है कि वह निर्णय के अविलम्ब निष्पादन का आदेश करे।

Boni Judicis est lites dirimere ne lis ex lite oritur.
अच्छे न्यायाधीश का ध्येय यह हो कि मुकदमेबाजी समाप्त हो और वाद से वाद न निकले।

Boni Judicis est ampliare Jurisdictionem.
अच्छे न्यायाधीश का कर्तव्य है कि वह अपने प्राधिकार का प्रयोग उदारतापूर्वक करे।

Boni Judicis est causes litium dirimere.
अच्छा न्यायाधीश मुकदमेबाजी के कारणों से दूर करे।

Breve Judiciale non cadit pro defecteu formal.
न्यायिक रिट में प्ररूप की त्रुटि मत देखो।

C

Cause proxima non remota spectatur.
निकट हेतुक पर ध्यान दिया जाता है दूर के हेतुक पर नहीं।

Cessante ratione lagis, cessat ipsa lex.
विधि के आत्मा रूप वाद/कारण का अन्त होने पर विधि का भी अन्त हो जाता है।

या

विधि का औचित्य समाप्त हो जाने पर विधि भी समाप्त हो जाती है।

[**श्री स्वामी जी** बनाम **आयुक्त हिन्दू धार्मिक विन्यास**, (1979) 4 सु० को० केसेज 643]

Cessante statu primitivo cessat derivativus.
मौलिक सम्पदा का अन्त होने पर व्युत्पन्न सम्पदा का भी अन्त हो जाता है।

Cogitationis poenam nemo mareture petitur.
कोई व्यक्ति केवल विचारों के लिए दण्डनीय नहीं हो सकता।

Commodum ex injuria sua nemo hebere debet.
कोई भी व्यक्ति अपनी भूल का लाभ नहीं उठा सकता।

[**मृत्युंजय पाणि** बनाम **नर्मदा बाला ससमल**, ए० आई० आर० 1963 सु० को० 1353]

Communis error facit Jus.
बारबार की गलती विधि बन जाती है।

Conditio praecedens adimpleri debet priusquam sequator effectus.
पुरोभाव्य शर्त पूरी होने पर ही आगे प्रभाव होगा।

Conditio ex parte extincta ex toto extinguitur.
खण्ड परिशमित संविदा को पूर्ण परिशमित मानें।

Conditio illicita habetur pro non adjecta.
अवैध प्रतिबन्ध अननुबन्ध समझा जाता है।

Confirmat usum qui tollit abusum.
जो किसी वस्तु के दुरुपयोग को हटाता है, वही उसके उपयोग की पुष्टि करता है।

Conscientia legalise lage fundatur.
अन्तःकरण की वैध प्रकृति विधि पर आधारित होती है।

Conscientia legi nun quam contravenit.
अन्तःकरण की प्रवृत्ति विधि का कभी उल्लंघन नहीं करती।

Conscientia legis ex lege pendet.
विधि की अन्तःकरण प्रवृत्ति विधि पर निर्भर करती है।

Consentientes et agentes pari poena plactentur.
अपराध के कर्ता तथा सहभागी दोनों समान दण्ड के भागी हैं।

Consentire est facere.
सम्मति देना करने के समान है।

Consentire matrimonio non possunt infra annos mubiles.
विवाह योग्य वय से पूर्व पति-पत्नी की सम्मति प्रभावहीन है।

Consilia multorum quaeruntur in magnis.
बड़ी बातों में बहुतों की मंत्रणा आवश्यक होती है।

Constitutiones tempore posteriores potiores sunt his quae ipsas praecesserunt.
पश्चात्वर्ती विधि पूर्ववर्ती विधि पर अभिभावी होती है।

Consuetudo debet esse certa; nam incerta pro nullis habentur.
रूढ़ि निश्चित होनी चाहिए क्योंकि अनिश्चित बातों का कोई महत्व नहीं होता।

(**सरस्वती अम्मल बनाम जगदम्बल**, ए० आई० आर० 1953 सु० को० 201, 205)

Consuetudo est altera lex.
रूढ़ि भी एक विधि है।

Consuetudo est optimus interpres legum.
रूढ़ि से विधि की सर्वोत्तम व्याख्या होती है।

Consuetudo loci est observanda.
स्थानीय रूढ़ि का पालन करना चाहिए।

Consuetudo prae scriptiva et legitima vincit legem.
चिरकालिक एवं विधिसंगत रूढ़ि विधि को अभिभूत करती है।

Consuetudo lollit communen legem.
रूढ़ि सामान्य विधि को हटा देती है।

Contemporanea exposito est optima et fortissima in lega.
तत्कालीन व्याख्या सर्वोत्तम और प्रभावी होती है।

Contractus ad mentem partium verbis notatum intelligendus.
पक्षकारों के शब्दों में अभिव्यक्त अभिप्राय के अनुसार संविदा को समझा जाना चाहिए।

Contractus est quasi actus contra actum.
संविदाकल्प कृत्य के विरुद्ध कृत्य है।

Contractus est turpi causa est nullus.
नीच विमर्श से उद्भूत संविदा शून्य होती है।

Contractatio rei alienae animo furandi est furium.
दूसरे की वस्तु को चुराने के अभिप्राय से छूना चोरी है।

Crimen ex post facto non diluitur.
अपराध का प्रायश्चित बाद के कृत्यों से नहीं हो जाता है।

Crimen omnia ex se nata vitiat.
अपराध तत्सम्भूत सब कार्यवाहियों को दूषित कर देता है।

Cui jus est donandi eidem et vendeni et concidendi jus est.
जिसे देने का अधिकार है उसे बेचने और अन्तरण करने का भी अधिकार है।

Cui libet in sua arte perito est credendum.
जो अपनी विशिष्ट वृत्ति में दक्ष है, उस पर विश्वास करना चाहिए।
(धारा 45 और 56, भारतीय साक्ष्य अधिनियम)

Cui libet lilcet juri pro se introducto.
जिसके लिए कोई नियम लाभदायक है, वह उस नियम को छोड़ भी सकता है।

Cui licet quod majus non debet quod minus est non licere.
जिसे अधिक महत्वपूर्ण कार्य करने का प्राधिकार है, उसे कम महत्वपूर्ण कार्य करने का भी प्राधिकार

Cujus est commodum ejus debet esse incommodum.
जिसको लाभ प्राप्त होता है उसको अलाभ भी प्राप्त होना चाहिए।

Cujus est commodum ejus est onus.
जिसे हित प्राप्त होता है, उसी पर भार भी होता है।

Cujus est dare ejus est disponere.
दान देने वाले को उसकी व्यवस्था विनियमित करने का अधिकार है।

Cujus est instituere ejus est abrogare.
जिसे संस्थापन का अधिकार है, उसे निराकरण का भी अधिकार है।

Cujus est solum ejus est usque ad coelum et ad inferos.
जो भूमि का अधिकारी है वह उसके ऊपर तक और नीचे तक की वस्तुओं का भी अधिकारी है।

Cujus juris est principali ejus dem juris erit accessorium.
सहायक विषय उसी अधिकार क्षेत्र के अन्तर्गत होता है जिसके अधीन मुख्य विषय होता है।

Cujus que rei potissima pars est principium.
प्रत्येक वस्तु का मुख्य भाग उसका प्रारम्भ होता है।

Cullibet licet juri pro se introduce to renuntiare.
कोई व्यक्ति अपने विधिक अधिकार का अभित्यजन कर सकता है।

Cum duo inter se pugnantia repriuntur in testamento ultimum ratum est.
किसी विल में परस्पर विरोधी खण्ड होने पर पश्चात्वर्ती खण्ड अभिभावी होगा।

Culpa caret qui scit sed prohibere non potest.
जो जानता तो है पर निवारण करने में असमर्थ है, वह दोषरहित होता है।

Culpa poena par esto.
अपराधानुसार दण्ड होना चाहिए।

Culpa est immiscere se rei ad se non pertimenti.
पराये मामले में हस्तक्षेप करना अपराध है।

Culpa lata dolo aequiparatur.
घोर उपेक्षा प्रतारणा के समान होती है।

Culpa tenet suos auctores.
अपराध अपने ही कर्ता को बांधता है।

Culpa vel poena ex equitate non intenditure.
दोष या दण्ड साम्या से नहीं निकलता।

Cum adsunt testimonia rerum quid opus est verbis.
जब तथ्यों के प्रमाण विद्यमान हों तब शब्दों की क्या आवश्यकता है।